साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 । अंक : 52 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 8 अगस्त से 14 अगस्त 2024 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

16,000 रु. की सामग्री चुराई

गोंदिया-सालेकसा थाने के तहत ग्राम गिरोला खेत परिसर में निर्माण कार्य के लिए रखे सेंट्रिंग के 22 प्लेट में से अज्ञात आरोपी ने 6 प्लेट व 300 लोहे की रिंग ऐसे कुल 16,000 हजार रु. का माल चुरा लिया. सोनारटोला निवासी फिर्यादी शामलाल बाबुराव शेंडे (43) की शिकायत पर मामला दर्ज किया है.

सर्प मित्र को कोबरा ने किया दंश
मामूली अनदेखी ने किया जीवन खत्म!

बुलंद गोंदिया। सर्प मित्र सुनील जब वह कोबरा को बोरे में भर रहे थे तभी फुर्ती से नाग ने फन उठाया और सुनील के हाथ पर जोर से काट लिया जिससे ब्लीडिंग शुरू हो गई। लेकिन सर्प मित्र को यह मामूली अनदेखी भारी पड़ गई व उसका जीवन खत्म हो गया ।

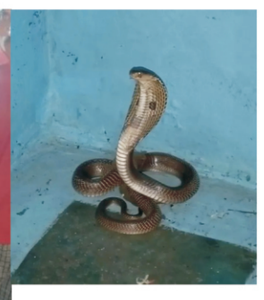

» रेस्क्यू के समय कोबरा ने सर्प मित्र के हाथ पर काटा

बरसात के दिनों में सांपों के निकलने के मामले तेजी से बढ़ जाते हैं क्योंकि बिलों में पानी भर जाता है इस कारण से सांप सुरक्षित ठिकाना तलाश करते हैं। कई बार वे घरों के अंदर चले जाते हैं और नमी तथा अंधेरी जगह में जाकर छुप जाते हैं। ऐसी ही एक घटना गोंदिया में घटित हुई जहां घर में घुसे जहरीले कोबरा नाग को पकड़ने के दौरान उसके काटने से सर्प मित्र की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो गई। यह घटना सोमवार 5 अगस्त रात 10 बजे के आसपास हुई । घर में किंग कोबरा को रेस्क्यू करने आए सर्प मित्र का वीडियो बनाया जा रहा था। मौत के इस मंजर का लाइव वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

किचन में कोबरा घटना गोंदिया शहर से लगे ग्राम कारंजा की है। हर दिन की तरह परिवार की महिला सदस्य रसोई घर में गई तो वहां फन फैलाए बैठा कोबरा सांप दिखा तो उसकी रूह कांप गई। इधर परिजनों की सूचना पर गोंदिया शहर के फुलचुर (बाजार चौक) इलाके के रहने वाले सर्पमित्र सुनील (गुड्डू) ताराचंद नागपुरे संकट मोचन बनकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान घर के सदस्य और मोहल्ले के लोग कोबरा नाग के रेस्क्यू ऑपरेशन का लाइव वीडियो बनाने में जुट गए। बोरे में भर रहा था सांप,पलट कर किया दंश सर्प मित्र सुनील ने कोबरा नाग को बचाया और स्टिक की मदद से उसकी मुंडी को पकड़कर सीधा लटकाया। उसकी लंबाई 6 फीट के आसपास थी। इसके बाद जब वह उसे बोरे में भर रहे थे तभी फुर्ती से नाग ने फन उठाया और सर्पमित्र सुनील के हाथ पर जोर से दंश किया जिससे ब्लीडिंग शुरू हो गई। लेकिन सर्प मित्र को यह मामूली अनदेखी भारी पड़ गई। जब सांप ने काटा तो वीडियो बना रहे कुछ बच्चे हंस रहे थे तो कुछ डर के मारे दूर भागते नजर आए। तकलीफ के बावजूद सर्प मित्र सुनील ने सांप को रेस्क्यू किया। इसके बाद उन्होंने बोरी को बांध दिया तथा बोरी उठाकर चल दिए। फिर सुरक्षित सुनसान स्थान पर कोबरा नाग को खुले में विचरण हेतु छोड़कर जिला शासकीय केटीएस अस्पताल पहुंचे। लेकिन इसमें 1 घंटे के आसपास का वक्त लग गया और शरीर में जहर फैल चुका था नतीजतन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

» मामूली अनदेखी पड़ी भारी

जैसे ही परिजनों को मौत की सूचना मिली उन्हें गहरा सदमा पहुंचा। आस पड़ोस में भी दुख और शोक का वातावरण छा गया। जानकारों की मानें तो रबड़ के जूते, दस्ताने, टॉर्च तथा स्टिक के इस्तेमाल से खतरा कम रहता है। सर्पदंश से होने वाली ज्यादातर मौतों के लिए रसेल्स वाइपर (दुबोइया), करैत और नाग प्रजाति के सांप जिम्मेदार हैं जिन्हें खतरनाक प्रजातियों में गिना जाता है। जहां तक किंग कोबरा सांप की बात है तो यह ज्यादातर अंधेरे में ही हमला करते हैं। बोरी में भरने के दौरान कोबरा ने हाथ के पंजे पर डंस लिया ऐसे में फौरन सर्प मित्र को मेडिकल हेल्प की जरूरत थी लेकिन इस दौरान मामूली अनदेखी भारी पड़ गई।

नई प्रशासकीय इमारत की लिफ्ट बिच में हुई बंद
लिफ्ट में सवार 8 लोगों की जान पर हुआ था संकट निर्माण

बुलंद गोंदिया। नई प्रशासकीय इमारत में 8 लोग दुसरी मंजिल से ग्राउंड फ्लोर आने के लिए लिफ्ट में सवार हो गए और इसी दौरान आते आते लिफ्ट अचानक पहली मंजिल और तल मंजिल (ग्राउंड फ्लोर) के बीच ही रुक गई ।जिससे लिफ्ट में सवार 8 लोगों की जान पर संकट निर्माण हो गया था। गौरतलब है लिफ्ट में कोई लिफ्ट मैन नहीं था लिहाज़ा बीच में लिफ्ट रुकने से लिफ्ट में सवार आठ लोग फंस गए , तत्काल मदद हेतु मोबाइल से कॉल करने लगे लेकिन भीतर नेटवर्क काम नहीं कर रहा था , लिफ्ट में कोई हरकत ना देखकर इमरजेंसी बटन दबाया तो सायरन भी काम नहीं कर रहा था , लिफ्ट का फैन भी बंद था बताया जा रहा है कि फंसे हुए लोगों में दो महिलाएं भी शामिल थी। इस दौरान डरे ओर सहमे 8 लोगों को सांस लेने में तकलीफ महसूस होने लगी , जोर-जोर से चीखने और आवाज लगाने पर भी जब मदद नहीं मिली तो पसीने छूटने लगे और घबराहट होने लगी , इस 6 मिनट के खौफनाक मंजर के दौरान दौरान घबराहट की स्थिति में जोर-जोर से सांस लेने लगे। हताश परेशान होकर इनमें से कुछ ने जिगर दिखाया और लिफ्ट के दरवाजे को जोर से खोलने का प्रयास किया और लिफ्ट और दीवाल के बीच बने संकरे जगह से छलांग लगा दी , 5 से 6 फीट ऊंचाई से कूदने के बाद जैसे तैसे मशक्कत कर वे बाहर आए और इसके बाद बाकी फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

पुर्व विधायक राजेन्द्र जैन के जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

गोंदिया- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता व पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन का जन्मदिन आज 8 अगस्त को संपूर्ण गोंदिया जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों द्वारा धुमधाम से मनाया जायेगा। पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के जन्मदिन पर आज 8 अगस्त को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी तथा मित्र परिवार की ओर से गोंदिया शहर व जिले में विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, नेत्ररोग शिबिर, रोगनिदान शिविर, वृक्षारोपण, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार एवं विद्यार्थियों को शालेय शिक्षा सामग्री का वितरण आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थाओं के द्वारा भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन शुभचिंतकों की शुभेच्छा हेतु आज एन.एम.डी कॉलेज के प्रांगण में मुलाकात हेतु उपस्थित रहेंगे ।

गोंदिया जिले में प्रतिबंधित गुटखे की खुलेआम हो रही बिक्री तत्काल करें
बंद बंद न होने पर एनएसयूआई द्वारा किया जाएगा तीव्र आंदोलन

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र में गुटखा की बिक्री पर प्रतिबंध है, लेकिन इसके बावजूद गुटखा विक्रेता बिना किसी डर के हर जगह खुलेआम नियमों धज्जियां उड़ा रहे हैं। गोंदिया जिले में अस्पताल, स्कूल, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजार आदि स्थानों पर धड़ल्ले से गुटखा बेचा जा रहा है, जिससे आम लोगों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ता है। गुटखा के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है जिसके परिणामस्वरूप उनके परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।. एनएसयूआई महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ऐड. आमिर शेख के आदेशानुसार एनएसयूआई गोंदिया जिला अध्यक्ष अमन तिगाला, जिला उपाध्यक्ष राहुल बावनथडे, शहर अध्यक्ष कृष्णा बिभार, तहसील अध्यक्ष वारिस भगत के नेतृत्व में एनएसयूआई प्रतिनिधि मंडल द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर गुटखा विक्रेताओं पर कार्रवाई करने कि मांग कि गई अन्याथा गोंदिया जिला एनएसयूआई द्वारा तीव्र आंदोलन किया जाएगा ऐसी चेतावनी भी दी गई हैं। प्रतिनिधि मंडल में जुनैद पठान, रेहान शेख, सार्थक बोरकर, हर्ष ग्वालवंशी, मंथन बोपचे, सोमेल शाह, प्रतिक तनवानी, पारस डोंगरे,सहित अन्य एनएसयूआई के पदधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सीसीटीवी इन्स्टॉलेशन व ब्यूटी पार्लर का निःशुल्क प्रशिक्षण

बुलंद गोंदिया। 18 से 45 वर्ष के बेरोजगार युवको के लिए बैंक ऑफ इंडिया (आरसेटी) स्टार स्वयंरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सी.सी. टीवी इंस्टॉलेशन व्यवसाय के लिए तेरह दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण 16 अगस्त 2024 से शुरू होंगा। ब्यूटी पार्लर प्रबंधन व्यवसाय में लड़कियों के लिए तीस दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण 1 सितंबर 2024 से शुरू होंगा । आरएसईटी को पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए न्यूनतम 30 से 35 उम्मीदवारों की आवश्यकता होती है। इस संस्थान में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम नि:शुल्क उपलब्ध कराये जाते हैं तथा प्रशिक्षण संस्थान में ही आवास एवं भोजन नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। फिर भी जिले के अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियां संस्थान में आकर यथाशीघ्र अपना नाम दर्ज कराएं। सुशिक्षीत बेरोजगारों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए और तकनीकी प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार करना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन तुरंत निदेशक, स्टार स्व-रोज़गार प्रशिक्षण संस्थान, वाहने पैलेस, हरिनखेड़े पेट्रोल पंप के पास, तिरोड़ा रोड, कुडवा (गोंदिया) को जमा करें। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के फोन नंबर 07182-252007 या मोबाइल फोन नंबर 9403359907 पर संपर्क करें, संस्थान के निदेशक राहुल गणवीर ने जानकारी दी है।

गोंदिया के मेकअप आर्टिस्ट धिरा कपूर सुधा चंद्रन के हस्ते सम्मानित

बुलंद गोंदिया। पिसेक एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड व प्रयास एंटरटेनमेंट द्वारा देश की विभिन्न क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित करने के लिए होटल एलबी में अवार्ड कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें गोंदिया के मेकअप आर्टिस्ट धीरज उर्फ धीरा कपूर को सुधा चंद्रन के हस्ते सम्मानित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक अविनाश बड़गे वह श्रीमती सुष्मिता बड़गे थे तथा कार्यक्रम की प्रमुख अतिथि के रूप में बॉलीवुड एक्ट्रेस सुधा चंद्रन प्रमुख रूप से उपस्थित थी। गोंदिया शहर के प्रतिभावान मेकअप आर्टिस्ट धीरज उर्फ धीरा कपूर जो सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट के रूप में अपनी एक नई पहचान बन चुके हैं जिन्हें इसके पूर्व अनेक महानगरों व शहरों में विभिन्न प्रमुख हस्तियों के द्वारा सम्मानित किया गया है तथा वह अपनी सफलता की नीत नए आयाम बना रहे हैं। धीरा कपूर की सफलता पर मित्र परिवार द्वारा उन्हें हार्दिक बधाइयां दी तथा वे भविष्य में सफलता की नई बुलंदियों को प्राप्त करें यही कामना की तथा सुधा चंद्रन जी के हस्ते सम्मानित होने पर उन्होंने गोंदिया शहर को गौरांवित किया है।

नाले पर की पुलिया हुई जमींदोज
अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठनगांव से नवेगांव बांध के मार्ग का आवागमन बंद

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के अंतर्गत आने वाले अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठनगांव से नवेगांव बांध की ओर जाने वाले मार्ग के मध्य की पुलिया शुक्रवार की सुबह भरभरा कर ढह कर जमींदोज हो गई जिससे मार्ग का संपर्क बाधित होने से आवागमन बंद हो गया।

गौरतलब है की गोंदिया जिले में गत कुछ दिनों से निरंतर हो रही बारिश व शुक्रवार को ऑरेंज अलर्ट के चलते हो रही बारिश के कारण अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले गोठनगांव से नवेगांव बांध की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग के मध्य आने वाली पुलिया अचानक भरभरा कर जमींदोज हो गई। हालांकि इस घटना के दौरान पुलिया पर किसी भी प्रकार का वाहन या पैदल नागरिक नहीं होने से कोई बड़ी घटना या जनहानि घटित नहीं हुई है किंतु इस मार्ग का आवागमन यातायात ठप हो चुका है।

अनेक ग्रामों का संपर्क बाधित नवेगांव बांध से गोठन गांव की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग से लगकर अन्य छोटे ग्राम थे जैसे कवठा ,बोड़दे , काली माटी ,आदि ग्रामों का संपर्क पुलिया के टूटने से खंडित हो चुका है जिससे इन ग्रामों का तहसील मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। मार्ग परिवर्तित राहत बचाव दल पहुंचा मार्ग के बीच की नाले के ऊपर की पुलिया टूटने से मार्ग को परिवर्तित किया गया है तथा इस हादसे की जानकारी मिलती ही राहत वह बचाव दल तथा यातायात पुलिस कर्मी घटनास्थल पर पहुंच गए तथा यातायात को सुचारू करने का कार्य शुरू किया।

संपादकिय...

शेख हसीना का तख्तापलट

बांग्लादेश की राजधानी ढाका की सडक़ों पर विद्रोह, आक्रोश और गुस्सा स्पष्ट दिख रहे थे, हिंसा दोतरफा थी, लिहाजा 366 से अधिक लोग मारे गए, नौजवानों को कर्फ्यू की भी परवाह नहीं थी, 15-20 पुलिस कर्मी भी मारे गए, करीब 11000 गिरफ्तारियां की गईं, अनुमान है कि आरक्षण पर छिड़े आंदोलन के दौरान 10 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है, लेकिन अचानक परिदृश्य तब बदला, जब प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़ कर भागना पड़ा। फिलहाल वह भारतीय वायुसेना के किसी 'सेफ हाउस' में हैं। बेशक कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों ने आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन का आगाज किया था, लेकिन छात्रों के साथ युवा-शक्ति भी जुड़ गई और शेख हसीना को 'तानाशाह' और 'गैर-लोकतांत्रिक' करार देते हुए प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग लगातार उग्र होती गई। युवाओं की भीड़ में आतंकवादी, उग्रवादी, गद्दार और देशद्रोही भी थे अथवा वे सिर्फ आंदोलनकारी ही थे, शेख हसीना ने इस पर टिप्पणी भी की, तो वे ज्यादा उग्र हो गए। जिस शख्सियत ने प्रधानमंत्री के तौर पर 15 साल तक देश पर शासन किया था, उसे 15 मिनट में ही इस्तीफा देने और देश छोड़ कर चले जाने का फैसला करना पड़ा। सेना प्रमुख ने उन्हें 45 मिनट में ही देश छोड़ कर चले जाने का आग्रह किया और उनके सारे सामान की तलाशी ली गई। अचानक ये हालात किस लोकतंत्र की परिभाषा हैं? बांग्लादेश के राष्ट्रपिता एवं 'मुक्ति संग्राम' लडक़र एक नए देश की स्थापना करने वाले शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथौड़े चलाए गए और बुलडोजर से उसे खंडित किया गया, यह कौनसे लोकतांत्रिक संस्कार हैं, जो देश की विरासत और धरोहर को ही ध्वस्त कर रहे हैं? बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के साथ ही एक और देश में लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। हमने श्रीलंका और अफगानिस्तान में भी ऐसे तख्तापलट देखे हैं। वहां भी भीड़ 'राष्ट्रपति भवन' के भीतर घुस गई थी। खूब हंगामा मचाया, तोडफ़ोड़ की और लूटपाट मचाई। ढाका में शेख मुजीब के म्यूजियम को भी आग के हवाले कर दिया गया। बेशक यह लोकतंत्र नहीं, अराजकता और जंगली राजनीति है। शिकायत प्रधानमंत्री से हो सकती है, तो लोग उनसे बात कर सकते हैं। किसी आपत्तिजनक फैसले को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। बांग्लादेश की सर्वोच्च अदालत ने आरक्षण को घटा कर मात्र 7 फीसदी कर दिया था। हालांकि प्रधानमंत्री ने भी आरक्षण को कम करके 5 फीसदी कर दिया था। लोकतंत्र में मारामारी की कोई गुंजाइश नहीं होती। बहरहाल भारत इस समय ऐसे पड़ोसी देशों से घिरा है, जो अस्थिर, दिवालिया और चीनपरस्त हैं। नेपाल में फिर सत्ता बदली है और नए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली पूरी तरह चीनपरस्त हैं। पाकिस्तान और मालदीव के समूचे हालात ऐसे हैं कि उन्हें चीन का कर्जदार होना ही पड़ता है। भारत के साथ बांग्लादेश की सीमा 4096 किलोमीटर है।

ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्ध पुस्तकालयों का इंतजार

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस विशेष - 12 अगस्त 2024

संपन्न पुस्तकालय समृद्ध समाज व्यवस्था और विकसित राष्ट्र की पहचान होते है। शिक्षा का केंद्र बिंदु और प्रेरणा का स्त्रोत पुस्तकें ही होती है, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कुशल कर्मचारी वर्ग उत्कृष्ट सेवा सुविधाओं द्वारा पुस्तकालयों को उन्नत बनाते है। पुस्तकालयों का महत्व केवल ज्ञानी ही समझ सकते है, विश्व में विकसित देशों के पुस्तकालय अपने पाठकों को अंतरराष्ट्रीय मानकोंनुसार सेवाएं प्रदान करते है, पाठकों को दुनियाभर का ज्ञान, अनुसंधान, दुर्लभ सूचनाएं, अद्ययावत जानकारी घर बैठे पुस्तकालय सदस्यता द्वारा इंटरनेट के बस एक क्लिक पर या अपने नजदीक के पुस्तकालय पर उपलब्ध होती है। हमारा देश गांवों में बसता है, क्योंकि सबसे बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। शहरों में सुख-सुविधाओं के लिए शिक्षा संस्थान, मॉल, अस्पताल, कारखाने, उद्योग, होटल, यातायात संसाधन जैसे अनेक मौके होते हुए भी बहुत बार सामान्य मनुष्य का संघर्ष ख़त्म होने का नाम नहीं लेता। शहरों में भी लोगों को आवश्यकतानुसार पूर्ति नहीं होती है, फिर ऐसे समय में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की क्या हालत होती होगी, इसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। समस्या हर विभाग और क्षेत्र में है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषत पिछड़े इलाकों में आज भी बिजली, पानी, पोषक अन्न, सड़क, स्कूल-कॉलेज, रोजगार और उन्नत जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं की भारी कमी है। बहुत बार तो सरकारी योजनाएं भी इन जरुरतमंदो तक पहुंच नहीं पाती है। यहाँ के सामान्य नागरिकों का संघर्ष तो अधिक ही कष्टप्रद होता है। ऐसे में यहां जीवन उन्नति के मौके बहुत ही कम मिलते है। ऐसे परिस्थिति में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल होता है और इन हालातों में बेहतर पुस्तकालय का विकास केवल चमत्कार ही हो सकता है, क्योंकि दूर दराज की अधिकतर शासकीय विभाग और स्कूल-कॉलेज भी आधारभूत समस्याओं से जूझते नजर आते है। बहुत से स्कूल-कॉलेज की पुरानी इमारत खंडहरनुमा बन गई है, अनेक बार ऐसी जगह हादसे भी होने की घटनाएं देखने-सुनने को मिलती है। पिछड़े इलाकों में आज भी बच्चे नदी-नाले, जंगल, पहाड़, दलदलनुमा सड़क पार करके स्कूल जाते है, सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भी वायरल होते है। इसी विषय से संबंधित अपना एक अनुभव आप सभी को बताता हूँ, कुछ समय पहले एक पाठक 80 साल के बुजुर्ग ने मुझे कॉल किया था, वे बुलढाणा (महाराष्ट्र) के किसी ग्रामीण क्षेत्र में एक छोटा-सा पुस्तकालय संचालित करते है, वे खुद के केवल पेंशन के भरोसे उस पुस्तकालय में आज के महंगाई के जमाने में बड़ी मुश्किल से कुछ समाचार पत्र ही खरीद पाते है, निधि के अभाव में पुस्तकें चाहकर भी खरीद नहीं सकते, उन्हें किसी से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती, राज्य सरकार से अनुदान के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किये परंतु उन्हें सिर्फ निराशा ही मिली। उनके गांव के बच्चों को मज़बूरी में दूर तहसील के पुस्तकालयों में जाना पडता है, वहां भी बच्चों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती है। उम्र के इस पड़ाव में वयोवृद्ध बुजुर्ग का समाज के लिए पुस्तकालय को जिवंत रखने के लिए निस्वार्थ मेहनत, सेवाभाव, संघर्ष हमें निशब्द कर देता है, वे अपनी समस्या मुझसे साझा करते हुए बेहद भावुक होकर रोने लगे और बोले कि मैं अपने जीते जी इस पुस्तकालय को समृद्ध नहीं कर पाया इसका बहुत दु:ख है, शायद उनके मृत्यु के पश्चात यह पुस्तकालय बंद हो जायेगा। यह हुई एक संघर्षमय पुस्तकालय की दम तोड़ती वास्तविकता, देश के ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य पुस्तकालयों की दास्तान इससे कुछ अलग क्या होगी? गांवो, शहरो में अक्सर त्यौहार, रैली, सभाएं, मनोरंजन कार्यक्रम, प्रदर्शन, खेल, उद्घाटन, सरकारी योजनाओं के लिए बड़े-बड़े आयोजन किये जाते है, सरकार भी विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया खर्च करती है, नेता, अभिनेता, सेलिब्रिटी इसके लिए हमेशा लोगों के बीच भेट देते है। परंतु पुस्तकालयों को समृद्ध करने के लिए ऐसे आयोजन देखने ही नहीं मिलते, ना ही समाज के दानदाता आगे आते, जबकि पुस्तकालय सबसे ज्यादा जरूरी है।

देश के बड़े-बड़े निजी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्र, आयआयटी, आयआयएम, विश्वविद्यालय, शहरों के नामचीन स्कूल-कॉलेज के पुस्तकालय तो विकसित और समय अनुसार उन्नत नजर आते है, लेकिन बाकि जगह पुस्तकालयों की हालत बहुत दयनीय है। शहरों में आबादी तेजी से बढ़ रही है, उनके लिए स्कूल-कॉलेज, बाजार, दुकाने, रास्ते, बस स्टॉप, कॉलोनी सब नये-नये बन रहे है, केवल आबादी की जरुरत के हिसाब से नए पुस्तकालय स्थापित नहीं हो रहे है। विकसित पुस्तकालय बगैर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कोरी कल्पना है, जबकि देश का आनेवाला उज्वल भविष्य बेहतर शिक्षा, संस्कार, कलाकौशल पर टिका है, अर्थात विकसित पुस्तकालय मजबूत शिक्षा की आधारशिला है।

संस्कृति मंत्रालय (राजा राम मोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन) अनुसार, देश में 54,856 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, लेकिन उनमें से केवल एक छोटा सा हिस्सा ही अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन मानक के अनुसार, प्रत्येक 3,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय होना चाहिए। आबादी के हिसाब से हमारे पास 4,41,390 सार्वजनिक पुस्तकालय होने चाहिए। देश में 36,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय है। पुस्तकालय विशेषज्ञों नुसार केवल 20त्न आबादी को हमारी सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। अमेरिका में, सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली कुल जनसंख्या के 95.6त्न को सेवा प्रदान करती है और प्रति व्यक्ति लगभग 2,493 रुपये खर्च करती है। हमारे देश के केवल 9 प्रतिशत गांवों में सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालयों पर सरकार का औसत प्रति व्यक्ति खर्च केवल 0.07 रुपये है और यह अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग है। आईएफएलए की रिपोर्ट 2017 अनुसार, भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालय में औसत 5,700 किताबें हैं, जबकि विकसित देशों में 108,000 किताबों का संग्रह है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैटिस्टिक्स की 2018 की रिपोर्ट अनुसार, केवल 12त्न भारतीय सार्वजनिक पुस्तकालयों में कंप्यूटर हैं और केवल 8त्न में इंटरनेट की सुविधा है। 2016 पीटीआई के समाचार लेख के अनुसार, भारत के कार्यरत कुल पुस्तकालयध्यक्षों में से केवल 10त्न ही पेशेवर रूप से योग्य हैं। शहरों में नगर निगम, महानगर पालिका का हजारों करोड़ का बजट होने के बावजूद उनके द्वारा संचालित सार्वजनिक पुस्तकालयों पर खर्च करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता।

ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए पुस्तकालय की समृद्धि बेहद आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक नागरिक के सामाजिक, आर्थिक, कृषि, व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक जानकारी सही समय पर प्रदान करना जरूरी है। पुस्तकालय सूचना केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय पुनरुद्धार मुद्दों में सहायता, सरकारी योजना-परियोजनाएँ, ग्रामीण स्वास्थ्य विषय, धन स्रोत, तकनीकी सहायता कार्यक्रम, अनुसंधान अध्ययन, सामुदायिक विकास परियोजनाओं की सफल रणनीतियाँ, मॉडल और केस अध्ययन, लघु व्यवसाय आकर्षण, आवास कार्यक्रम सेवाएँ, पर्यटन संवर्धन और विकास, सतत समुदाय और ऊर्जा कार्यक्रम, मौसम, सामुदायिक जल गुणवत्ता जैसे आवश्यक विषयों पर मदद करता है, उपयोगकर्ताओं को विशिष्ट क्षेत्र के संगठनों या विशेषज्ञों की ओर संदर्भित करता है। इंटरनेट द्वारा संबंधित वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रामीण सूचना, उत्पादों, नए स्टार्टअप, और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है। यह सभी सेवाएं अमेरिका में सूचना केन्द्रों द्वारा वहां के ग्रामीण समुदाय को प्रदान की जाती है।

समाज में नई पुस्तकालयों की स्थापना एवं उनमे अत्याधुनिक सेवा सुविधा, प्रत्येक स्कूल में पुस्तकालय, राज्य व केंद्र सरकार के प्रत्येक विभाग में पुस्तकालय, प्रत्येक कॉर्पोरेट ऑफिस में पुस्तकालय, प्रत्येक गांव, प्रत्येक कस्बों-बस्तियों में समृद्ध पुस्तकालय आज अत्यावश्यक है।

देश में सशक्त शिक्षा प्रणाली के लिए समृद्ध पुस्तकालय अति आवश्यक है, बरसों तक पुस्तकालयों में कुशल कर्मचारियों की भर्ती न होना, उनके वेतनवृद्धि में सुधार न होना, पुस्तकालय में हर साल आवश्यक साधन सामग्री के लिए निधि का अभाव, संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुस्तकालयों के विकास की ओर उदासीनता, पुस्तकालयों के महत्व में दूरदर्शिता की कमी ने देश में पुस्तकालय विकास को कमजोर कर दिया है। भले ही केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन द्वारा पुस्तकालय संचालन हेतु कार्य किये जाते है लेकिन देश की आबादी और अंतरराष्ट्रीय मानकों अनुसार वह बेहद कम है। ग्रामीण क्षेत्र में विकसित पुस्तकालय समृद्ध भारत की पहचान बन सकती है।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

नक्सल विरोधी अभियान से नक्सल गतिविधियां हुई विफल

नक्सल सप्ताह के दौरान पुलिस विभाग बरतता है एहतियात

गोंदिया-नक्सलियों द्वारा 28 से 3 अगस्त तक नक्सल शहीद सप्ताह मनाया जाता है. इस बीच नक्सली गतिविधियों को नक्सली बनाकर नागरिकों को डराने की कोशिश करते हैं. इन गतिविधियों को विफल करने के लिए पुलिस विभाग को तेज गति से नक्सल विरोधी अभियान चलाने के लिए हमेशा सतर्क रहना पड़ता है. इस दृष्टि से जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले के कुशल मार्गदर्शन में चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान के चलते जिले के नक्सल प्रभावित व वन आच्छादित गांवों में नक्सल सप्ताह का कोई असर नहीं दिखाई दिया. नक्सल सप्ताह के दौरान पुलिस विभाग ने एहतियात बरता था, ताकि कोई दुर्घटना या अप्रिय घटना न घटे. इसलिए गांव के सभी मामले सुचारु और शांतिपूर्वक शुरू दिखाई दिए. देवरी, सालेकसा, सड़क अर्जुनी और अर्जुनी मोरगांव तहसील नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आते है, जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहना पड़ता है. नक्सलियों द्वारा प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई से 3 अगस्त तक नक्सली शहीद सप्ताह मनाया जाता है. नक्सली आए दिन अप्रिय घटनाएं कर आम लोगों को परेशान करते हैं और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं. इन नक्सलियों की गतिविधियों को विफल करने और गांवों के नागरिकों को जागरूक करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई. जनता का विश्वास हासिल करने के लिए चलाए गए सफल नक्सल विरोधी अभियान का किसी भी गांव में नक्सली शहीद सप्ताह में कोई परिणाम देखने को नहीं मिला है. सभी गांवों में कृषि कार्य सुचारु थे. पुलिस विभाग द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के लोगों के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं के कारण नक्सलियों का आतंक कम हुआ है.

बिजली के तार चोरी करने वाला गिरोह

14.95 लाख रु. के माल सहित अरेस्ट

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने बिजली तार चोरी के मामले में छह आरोपियों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से 14 लाख 95 हजार रु. के माल के साथ 3 वाहनों को जब्त किया गया. जानकारी के अनुसार 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2023 के बीच अर्जुनी मोरगांव तहसील के डोंगरगांव से घुसोबाटोला तक 19 खंभो से 60 हजार रु. कीमत का 3420 मीटर बिजली तार व डोंगरगांव-अर्जुनी-नवेगांवबांध तक 16 खंभो से 50 हजार रु. कीमत का 2880 मीटर तार ऐसा कुल 1 लाख 10 हजार रु. का तार अज्ञात व्यक्तियों ने चुरा लिया. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था. इसी बीच 21 से 24 मई 2024 के बीच ग्राम सोमलपुर से गुढरी के 23 खंभो से 60 हजार रु. कीमत का 2700 मीटर तार अज्ञात व्यक्ति ने चुरा लिया. पुलिस निरीक्षक कमलेश सोनटक्के के निर्देश पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी. इसी बीच मिली जानकारी के आधार पर साकोली निवासी आरोपी सचिन कठनकर, निलज निवासी तुषार लांजेवार, आमगांव निवासी परवेज अगवान, पलसगांव/सोनका निवासी दीपरत्न उनके, सानगड़ी निवासी निखिल मडावी, सौंदड़ निवासी आनंदराव निर्वान को हिरासत में लिया गया. उनकी गहनता से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपना जुर्म कुबल किया. चोरी का सारा माल आरोपियों ने भंडारा में एक कबाड़ी दुकानदार में बेच दिया था. आरोपियों के पास से 1 लाख 70 हजार रु. का एल्युमीनियम प्लेट्स व चुरा, वाहन क्र. एमएच 48 ङ्क ए 2743, एमएच 34 ङ्क एवी 1320, एमएच 35 ङ्क एजे 2303 ऐसा कुल 14 लाख 95 हजार रु. का माल जब्त किया गया है. पांच आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया और छठे आरोपी आनंदराव निर्वान को चेतावनी पत्र देकर छोड़ दिया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी विवेक पाटिल के मार्गदर्शन में अर्जुनी मोरगांव के थानेदार कमलेश सोनटक्के, पुलिस उपनिरीक्षक किरण मेश्राम, हवलदार रोशन गोंडाने, रमेश सेलोकर, बापु येरणे, महेंद्र पुन्यप्रेड्डीवार, सिपाही गिरीश लांजेवार, लोकेश कोसरे, तिलक पर्वते, श्रीहरी कोरे ने की है.

4 आरोपी 3 माह के लिए तड़ीपार

त्योहार के मौके पर शहर, ग्रामीण पुलिस की कार्रवाई और आरोपियों पर अनेक मामले दर्ज

गोंदिया-आपराधिक प्रवृत्ति के कारण आम लोगों के मन में भय दहशत का माहौल पैदा हो गया है. गोंदिया शहर व ग्रामीण में कानून, व्यवस्था शांति बनाए रखने और आम जनता को भयमुक्त जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए, शहर व ग्रामीण थाने के पुलिस निरीक्षक ने चारों आरोपियों को गोंदिया, भंडारा व बालाघाट जिले से तड़ीपार करने के लिए धारा 56 के तहत उपविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में प्रस्ताव प्रस्तुत किया था. प्रस्ताव के तहत उपविभागीय दंडाधिकारी पर्वणी पाटिल ने प्रस्ताव की जांच कर चारों आरोपियों को तीन माह के लिए तड़ीपार कर दिया है. दसखोली मरघट रोड़ गोंदिया निवासी अमित उर्फ गुलशन महेंद्रसिंह चिंड़ाले (26), सुमित महेंद्रसिंह चिंड़ाले (28), सुंदरनगर निवासी शुभम उर्फ हग्नु उर्फ मास जनूजी चौधरी (20) व इर्री निवासी किसन रमेश दमाहे (40) को गोंदिया, भंडारा और बालाघाट जिले से तीन महीने के लिए तड़ीपार किया गया है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा, उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर, शहर थाने के पुलिस निरीक्षक किशोर पर्वते, दिनेश लबड़े, पुलिस उपनिरीक्षक वनिता सायकर, प्रकाश गायधने, दुर्गेश तिवारी, दिनेश बिसेन, हवलदार निशिकांत लोंदासे ने की है. शहर थाने में आरोपी अमित उर्फ गुलशन महेंद्रसिंह चिंडाले के खिलाफ जबरन चोरी, सामूहिक बलात्कार, सेंधमारी, हत्या का प्रयास, चोरी, डकैती की तैयारी, लोक सेवक पर हमला, जानबूझकर चोट पहुंचाना, अवैध हथियार रखना, डकैती, अपहरण का मामला, चोट पहुंचाना, डराना-धमकाना, छेड़?छाड़ जैसे 12 गंभीर अपराध दर्ज हैं. आरोपी सुमित महेंद्रसिंह चिंड़ाले के खिलाफ चोरी, सेंधमारी, डकैती, मारपीट, नुकसान करना, धमकी देने जैसे 6 मामले दर्ज है. आरोपी शुभम उर्फ हग्नु उर्फ मास जनुजी चौधरी के खिलाफ डकैती, चोरी, चोट पहुंचाना, नुकसान पहुंचाना और आग लगाना, धमकी देना, हत्या, अवैध हथियार रखना, हत्या का प्रयास जैसे पांच गंभीर अपराध दर्ज हैं. आरोपी किसन रमेश दमाहे के खिलाफ ग्रामीण थाने में हत्या का प्रयास, अवैध जुआ, शराब बेचना, लड़ाई-झगड़ा, मारपीट, बलपूर्वक गंभीर चोट पहुंचाना, धमकी देना जैसे 9 गंभीर अपराध दर्ज हैं.

शराब अड्डे पर छापेमारी 60,000 रु. का माल किया जब्त

गोंदिया-शहरवानी के गांव तालाब परिसर में स्थित शराब अड्डे पर छापामार कार्रवाई की गई. इस कार्रवाई में 60 हजार रु. का सामान जब्त किया गया. यह कार्रवाई स्थानीय अपराध शाखा ने की है. आगामी त्योहारों व उत्सवों के चलते जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के निर्देश में एक विशेष टीम का गठन किया गया है. पुलिस निरीक्षक दिनेश लबडे के मार्गदर्शन में टीम को जिले में अवैध कारोबारों पर छापेमारी कर उन्हें खत्म करने का निर्देश दिए गए है. ऐसे में टीम को मिली जानकारी के आधार पर शहरवानी गांव तालाब परिसर में स्थित शराब भट्टी पर छापामार कार्रवाई की गई. पुलिस ने वहां से 59 हजार 600 रु. का माल जब्त किया है जिसमें जर्मन करची कच्ची शराब और शराब निकालने में प्रयुक्त होने वाली अन्य सामग्रियां शामिल हैं. शहरवानी निवासी आरोपी दिनेश बाबूलाल राऊत (36) और प्रकाश परसराम आंबेडारे (40) के खिलाफ गंगाझरी थाने में महाराष्ट्र शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई विशेष दस्ते के हवलदार सुजीत हलमारे, सुबोध बिसेन, सिपाही छगन विठ्ठले, दुर्गेश पाटिल, चालक सिपाही नितिन चाफले ने की है

कॉलेजों के सामने मनचलों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

पुलिस प्रशासन जल्द करें कार्रवाई

गोंदिया-इन दिनों शहर के अधिकांश स्कूल व कालेजों के सामने मनचलों का डेरा आसानी से देखा जा सकता है. जो आवागमन करने वाली स्कूली व कॉलेज छात्राओं पर अभद्र टिप्पणियां करते दिखाई दे रहे है. मनचलों की वजह से छात्राएं स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं. ऐसे में पुलिस प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर स्कूल व कालेज परिसर के सामने खड़े रहनेवाले मनचलों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है. उल्लेखनीय है कि शहर में कई शालाएं व महाविद्यालय है, जहां ग्रामीण इलाकों तथा दूरदराज क्षेत्र से छात्र-छात्राएं पढ़ने आते है. शहर के राजस्थान स्कूल, एनएमडी, डी.बी. महाविद्यालय, गर्ल्स कॉलेज, सिंधी स्कूल, म्युनिसिपल स्कूल सहित कई स्कूल व कालेजों के सामने मनचलों का डेरा दिखाई देता है. ऐसे में पुलिस प्रशासन की ओर से ऐसे स्कूल व कालेज परिसर के सामने पुलिस कर्मी मौजूद किया जाना चाहिए. जिसके माध्यम से मनचलों पर कार्रवाई की जा सके. वहीं स्कूल प्रशासन द्वारा भी इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है.

तंबाकू मुक्त अभियान में पिंडकेपार केंद्र रहा अव्वल

साकोली- शैक्षणिक संस्था उपक्रम 2024-25 के अंतर्गत सलाम फाउंडेशन मुंबई तथा शिक्षा विभाग, पंचायत समिती साकोली के अंतर्गत तंबाकू मुक्त अभियान कार्यक्रम चलाया गया. इसमें पिंडकेपार केंद्र अव्वल रहा. साकोली पंचायत समिति के अंतर्गत कुल 6 केंद्र कार्यरत है तथा 153 स्कूल है. सभी केंद्र ने सलाम बॉम्बे एप पर पंजीकृत किया था. इसमें पिंडकेपार केंद्र तहसील में अव्वल रहा.

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी गौरव सप्ताह का आयोजन

बुलंद गोंदिया। आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विशिष्टता, मानवता में असीम आस्था, प्रकृति के प्रति अतुलनीय प्रेम, अत्यधिक ईमानदारी का जश्न मनाने के लिए हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह भारत के संपूर्ण आदिवासी समुदाय के लिए अस्मिता और स्वाभिमान का दिन है। न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के सभी हिस्सों में आदिवासी लोग मूल निवासी के रूप में रहते हैं। इनका रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाज आदि आम लोगों से अलग होते हैं। सरकार द्वारा उनके शैक्षणिक सामाजिक उत्थान और उनकी संस्कृति को संरक्षित करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम चलाये जाते हैं। आदिवासी दिवस इन अनुसूचित जनजातियों की संस्कृति की रक्षा और संरक्षण के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना देवरी द्वारा 9 अगस्त 2024 विश्व आदिवासी दिवस पर जनजातीय गौरव सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत आदिवासी छात्रों की प्रतिभा को निखारने और उनकी संस्कृति और कौशल को संरक्षित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। 3 अगस्त को आश्रम विद्यालय और परियोजना स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता, 6 अगस्त को आश्रम विद्यालय और परियोजना स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता, 7 अगस्त को छात्रावास के छात्रों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता, 7 अगस्त से मुरकुडोह और अन्य दूरस्थ स्थानों पर विभिन्न सरकारी और योजनाओं के लिए शिविर प्रमाणपत्रों आयोजित किये जायेंगे। 8 अगस्त से आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों के लिए देवरी में पुरस्कार प्रतियोगिता परीक्षा, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी और कार्यालय स्टाफ द्वारा सभी के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन। जनजातीय समुदाय को घर बैठे सरकारी योजनाओं को समझने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया। प्रतियोगिताओं में पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह। परियोजना पदाधिकारी उमेश काशिद ने कहा है कि आदिवासी गौरव सप्ताह के अवसर पर जिले के सभी आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं, रक्तदान शिविर व प्रभात फेरी में भाग ले।

अंगदान जनजागृति ग्राम पंचायत द्वारा गांव-गांव तक करे -यशवंत गणवीर

बुलंद गोंदिया। अंगदान किसी को नया जीवन दे सकता है, रुकी हुई जिंदगी को फिर से शुरू कर सकता है। 3 अगस्त को सरकार के माध्यम से सभी जगह अंगदान के प्रति जनमानस में जनजागरूकता की जायेगी। जिला परिषद के उपाध्यक्ष और स्वास्थ्य और शिक्षा के सभापती यशवंत गणवीर ने ग्राम पंचायत से ग्रामीण स्तर पर अंग दान आंदोलन को बढ़ावा देने और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की अपील की है।

यदि आपको पता नहीं है कि मृत्यु कब और कैसे आएगी या बुढ़ापे के कारण आपके अंग दूसरों के लिए कितने उपयोगी होंगे, इसके बारे में आपको संदेह है तो उन सभी अंगों को दान कर देना चाहिए जिनका उपयोग अन्य लोग कर सकते हैं। आपको कम से कम अपना शरीर या आँखें दान करनी चाहिए।

इच्छुक अंग दाता को अंग दान शपथ पत्र भरने के लिए वेबसाइट www.notto.abdm.gov.in पर जाना चाहिए और अंग और ऊतक दान के लिए इच्छुक प्रतिज्ञा को ऑनलाइन पंजीकृत करना चाहिए। लेकिन भले ही अंग दाता की इच्छा उसकी मृत्यु के बाद पूरी हो जाए, लेकिन यह मुख्य रूप से

करीबी रिश्तेदारों के हाथ में है। अंग दान तब तक असंभव है जब तक कि यह रिश्तेदार या परिवार का सदस्य संगठन को सूचित न करे एक गवाह के साथ उसके करीबी रिश्तेदार के हस्ताक्षर ले । अंगदान के लिए आवेदन भरने के बाद, अंग दाता को संगठन से एक अंग दाता कार्ड प्राप्त होता है, जिसे ड्राइवर के लाइसेंस की तरह हर समय अपने साथ रखना होता है। एक अंगदाता लगभग दस जरूरतमंद लोगों को जीवन दे सकता है। और असल में इस संजीवनी को जरूरतमंदों तक पहुंचाने वाली मुख्य कड़ी है मृत व्यक्ति के रिश्तेदार। इसके अलावा किसी अन्य कारण से मरे व्यक्ति से भी नेत्र दान और त्वचा दान कराया जा सकता है। देहदान और अंगदान दो अलग प्रक्रियाएं हैं। हृदय, फेफड़े, हड्डी की कोशिकाएं, नसें, छोटी आंत, अग्न्याशय, यकृत, गुर्दे, आंखें, त्वचा सभी अंग हैं जिन्हें दान किया जा सकता है। लेकिन अगर इन अंगों को मृत्यु के बाद दान करना हो तो त्वचा और आंखों के अलावा अन्य अंगों का दान नहीं किया जा सकता है, लेकिन केवल मस्तिष्क की मृत्यु के मामले में और अस्पताल में जीवन समर्थन प्रणाली को बंद करने से पहले यह प्रक्रिया की जानी आवश्यक है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में ऐसे अंगों, आँखों, त्वचा और पूरे शरीर की सचमुच बहुत आवश्यकता है; परंतु अनेक गलतफहमियों के कारण यह आवश्यकता एक निश्चित प्रतिशत तक भी पूरी नहीं हो पाती। जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-11-4770 पर संपर्क करने की भी जानकारी दी है।

गोरख भामरे गोंदिया के नए पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले का तबादला

गोंदिया। राज्य सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादले किये है। 7 अगस्त को जारी किये आदेशानुसार गोंदिया के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में गोरख सुरेश भामरे की नियुक्ति की गई। इसके पूर्व में नागपुर शहर में पुलिस उपायुक्त के पद पर कार्यरत थे। तथा गोंदिया के पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले का तबादला पुलिस उपायुक्त पुणे शहर के रूप में किया गया है। उल्लेखनीय के इस तबादले में राज्य सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 8 भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।

स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के लेखापाल को 2500 की रिश्वत लेते एंटी करप्शन ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय व तहसील नियंत्रण पाथक गोरेगांव में कार्यरत लेखापाल (कंट्राटी) सुरेश रामकिशोर शरणागत उम्र 36 वर्ष को 2500 की रिश्वत लेते हुए गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता महिला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपा के अंतर्गत उपकेंद्र गिधाडी तहसील गोरेगांव में (कंट्राटी) स्वास्थ्य सेविका के रूप में कार्यरत है। तथा आरोपी यह तहसील स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय गोरेगांव में लेखापाल के रूप में कार्य कर रहा है। इस मामले में लेखपाल द्वारा शिकायत कर्ता के 16500 की राशि का इंसेंटिव (प्रोत्साहन भत्ता) निकाल कर देने के बदले में 3000 रिश्वत की मांग की थी लेकिन शिकायतकर्ता द्वारा रिश्वत न देने की इच्छा लेते हुए इस मामले में गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत की। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा मामले की जांच कर पंचों के समक्ष 3000 की रिश्वत लेने की बात सिद्ध हुई इसके पश्चात इस मामले में आपसी बातचीत के दौरान मामला 2500 में तय हुआ तथा रिश्वत की राशि स्वीकार करने की हामी भरी। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी द्वारा पंचों के समक्ष 2500 रुपए की रकम ली जिसे गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा रंगेहात गिरफ्तार कर गोरेगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया। उपरोक्त करवाई पुलिस अधीक्षक एंटी करप्शन ब्यूरो नागपुर राहुल माकणीकर ,अपर पुलिस अधीक्षक सचिन कदम नागपुर परिक्षेत्र गोंदिया के उप अधीक्षक विलास काड़े मार्गदर्शन व दिशा निर्देशानुसार यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक उमाकांत उगले, पुलिस निरीक्षक अतुल तवाड़े,स.फौ.करपे, पो. हवा. संजयकुमार बोहरे, मंगेश काहालकर, नापोशि. संतोष शेंडे, संतोष बोपचे,कैलास काटकर अशोक कापसे, प्रशांत सोनवाने, मनापोशी संगीता पटले ,रोहिणी डांगे, चालक नापोशि दिपक बाटबर्वे द्वारा की गई।

टिप्पर की चपेट में आने से महिला की हुई मृत्यु पिछले 1 साल में हुई अनेक दुर्घटनाएं

सालेकसा-सालेकसा-आमगांव राज्य महामार्ग क्र. 335 की हालत बद से बदतर होने की वजह से अनेक हादसे होते जा रहे है. रोड की स्थिती इतनी खराब है कि यहां पिछले 1 साल में अनेक दुर्घटनाएं हुई, जिसमे कई लोगों ने अपनी जान गवाई है. ऐसी ही एक घटना सालेकसा-आमगांव मार्ग पर 6 अगस्त को सुबह 11.30 बजे रोड की खराब हालत वजह से एक महिला की टिप्पर की चपेट में आने से मौत हो गई. मृतक महिला का नाम पानगांव निवासी कविता दिलीप नंदेश्वर (58) बताई गई है. कविता नंदेश्वर यह बचत गट की सीआरपी थी और वह कावराबांध मीटिंग में जा रही थी. मीटिंग में जाते वक्त गराडे किराना मुंडीपार के पास पीछे से आ रहे टिप्पर क्र. सीजी 08 एई 9222 ने कविता नंदेश्वर के स्कूटी क्र. एमएच 35 - एपी 7670 को टक्कर मार दी. जिसमें कविता की मृत्यु हो गई. कविता के पति दिलीप नंदेश्वर पानगांव गांव के पुलिस पाटिल के पद पर कार्यरत है. टिप्पर के वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है.

राजस्व दिवस के आयोजन पर नायर ने कहा लोगों के हित में करें जनाभिमुखी कार्य

गोंदिया-राजस्व विभाग आम नागरिकों की समस्याओं को सुलझाने और सरकार की विभिन्न योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए जिम्मेदार है. सभी नागरिकों को राजस्व विभाग से अपेक्षाएं हैं. इसलिए आम नागरिकों को केंद्रबिंदु मानकर जनाभिमुखी कार्य किए जाने चाहिए. ऐसा प्रतिपादन जिलाधीश प्रजीत नायर ने जिलाधीश कार्यालय में जिला नियोजन समिति सभागृह में आयोजित राजस्व दिवस में किया. पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, निवासी उप जिलाधीश विजया बनकर, उप जिलाधीश (सामान्य) मानसी पाटिल, उप जिलाधीश (भूमि अधिग्रहण) भैयासाहेब बेहेरे, जिला नियोजन अधिकारी सुनील धोंगड़े, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख रोहिणी सागरे, सहायक जिला आपूर्ति अधिकारी प्रशांत इंगोले, अपर तहसीलदार विशाल सोनवणे उपस्थित थे. नायर ने आगे कहा कि आम नागरिक रोजमर्रा के कामकाज के लिए राजस्व विभाग के संपर्क में आते हैं, इसलिए सरकारी कामकाज में राजस्व विभाग की अहम भूमिका होती है. राजस्व विभाग में जमीन से जुड़े कई लोग काम के लिए आते हैं इसलिए अधिकारी व कर्मचारी आम नागरिकों के कार्य को महत्व दें तथा अपनी जिम्मेदारी व कर्तव्य को ध्यान में रखते हुए अपना कार्य करें. पुलिस अधीक्षक पिंगले ने कहा कि सभी को सकारात्मक सोच के साथ काम करना चाहिए. प्रशासन में काम करते समय व्यक्ति को तनाव का सामना करना पड़ता है, इसलिए इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. उन्होंने कहा कि यदि आप आम लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से सभी के मन में दिव्यता का भाव आएगा. इस अवसर पर केशवराव देउजी बागड़े को जिले में पटवारी संवर्ग में उनकी सर्वोत्तम सेवा के लिए आदर्श पटवारी पुरस्कार देकर जिलाधीश नायर द्वारा सम्मानित किया गया. साथ ही रीना परसराम मरस्कोल्हे, हर्षल नेवचंद वरखड़े और निकेश शेरसिंह पंधरे को अतिथियों के हस्ते नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए. संचालन संतोष शेंडे ने किया. आभार उप जिलाधीश मानसी पाटिल ने माना. कार्यक्रम का नियोजन जिला नाझर राकेश डोंगरे ने किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

राजस्व विभाग का आम जनता से सीधा संपर्क है

प्रस्तावना में निवासी उप जिलाधीश विजया बनकर ने कहा कि राजस्व विभाग का आम जनता से सीधा संपर्क है. राजस्व विभाग आम जनता की जिज्ञासाओं/शिकायतों के समाधान के लिए कार्य कर रहा है. राजस्व विभाग प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समन्वय और सतर्क रहने के साथ-साथ चुनाव कार्य को सक्षम रूप से संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार है. उन्होंने कहा कि 1 से 15 अगस्त तक %राजस्व पखवाड़ा% के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं. इस अवसर पर जिला अधीक्षक भू-अभिलेख रोहिणी सागरे, उप जिलाधीश भैयासाहब बेहेरे, अपर तहसीलदार विशाल सोनवणे और अश्विनी पवार ने भी विचार व्यक्त किए.

वसंतराव नाइक विकास महामंडल के तहत स्वरोजगार ऋण योजना

बुलंद गोंदिया। वसंतराव नाइक विमुक्त जाति और भटक्य जमाती विकास महामंडल विमुक्त जाति और खानाबदोश जनजातियों और विशेष पिछड़े वर्ग के लोगों और पैलवान मारुति चव्हाण-वडार आर्थिक विकास निगम और राजे उमाजी नाइक आर्थिक विकास निगम के माध्यम से वाडार और रामोशी समुदायों में कृषि से संबंधित व्यवसाय, लघु उद्योग, परिवहन क्षेत्र में संबंधित व्यवसाय, तकनीकी व्यवसाय, पारंपरिक व्यवसाय या स्वयं सेवा उद्योग शुरू करने के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों और निगमों के संयुक्त उद्यम के माध्यम से ऋण ब्याज पुनर्भुगतान योजना और समूह ऋण ब्याज पुनर्भुगतान योजना शुरू की जा रही है।

व्यक्तिगत ऋण ब्याज पुनर्भुगतान योजना के तहत अधिकतम 10 लाख तक का ऋण प्रदान किया जाता है और समूह ऋण ब्याज पुनर्भुगतान योजना के तहत 50 लाख तक का ऋण प्रदान किया जाता है। दोनों योजनाओं में लाभार्थी को बैंक को मूलधन और ब्याज का भुगतान करना होता है, जिसके बाद निगम लाभार्थी के व्यक्तिगत खाते में 12 प्रतिशत तक ब्याज की राशि जमा करता है। इस योजना के सभी दिशा-निर्देश निगम की वेबसाइट www.vjnt.in पर उपलब्ध हैं। उक्त योजना के लाभ हेतु पोर्टल के माध्यम से वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना है। साथ ही, बीज पूंजी ऋण योजना के तहत 5 लाख रुपये तक और प्रत्यक्ष ऋण योजना के तहत 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है। उक्त योजना हेतु आवेदन पत्र निगम कार्यालय में उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए निगम कार्यालय से संपर्क करें। वसंतराव नाईक विमुक्त जाति एवं भटक्य जमाती विकास निगम के जिला प्रबंधक शंकर कुमरे ने अपील की है कि अधिक से अधिक इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं इस योजना का लाभ उठायें।

मांगों को लेकर प्रधानाध्यापकों का आंदोलन जिलाधीश के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

तिरोड़ा-गोंदिया जिला माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक संघ की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना आंदोलन किया गया. विभिन्न मांगों का ज्ञापन प्रधानाध्यापक संघ के मार्गदर्शक मारूती खेडेकर के मार्गदर्शन में जिलाधीश के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया. इस अवसर पर गोंदिया जिला प्रधानाध्यापक संघ के अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद पटले के नेतृत्व में सचिव ओमप्रकाश पवार, संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में अपर जिलाधीश विजया बनकर को ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में राज्य में आंशिक रूप से सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त स्कूलों और कनिष्ठ महाविद्यालयों के लिए प्रचलित नीति के अनुसार सब्सिडी चरण तुरंत लागू किया जाए. माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 1 नवंबर 2005 से पूर्व नियुक्त व 1 नवंबर 2005 के बाद अनुदान पर आए शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए. 15 मार्च 2024 कक्षा 5वीं व कक्षा 8वीं की ग्रेड वृद्धि के निर्णय को तत्काल रद्द किया जाए. शिक्षण स्टाफ की भर्ती शीघ्र की जाए, राज्य में शिक्षकों व शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना अविलंब लागू की जाए आदि मांगों का समावेश है. आंदोलन में गोंदिया जिला प्रधानाध्यापक संघ के के.बी. बोरधर, वी.आर. पोंगडे, प्रशांत साखरे, बी.आर. भारद्वाज, रजिया बेग मिर्झा, निता मोडघरे, वंदना बिसेन आदि उपस्थित थे.

ई-पॉश मशीन की मयत निकाल तहसील कार्यालय में की जमा

गोंदिया-राशन दुकानदारों को ई-पॉश मशीन से स्वस्त धान्य वितरण करने में अडचण निर्माण हो रही है. इसलिए राशन दुकानदारों द्वारा 5 अगस्त को ई-पॉश मशीन की गाजे-बाजे के साथ मयत निकाल कर तहसील कार्यालय में जमा की गई.

महाराष्ट्र राज्य में 52 हजार स्वस्त धान्य दुकानदार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के संगणकीकरण के बाद सन 2018 से ई-पॉश मशीन द्वारा धान्य वितरित कर रहे है. लेकिन पिछले दो माह से ई-पॉश मशीन पर धान्य वितरित करते समय सर्वर डाऊन या तांत्रिक समस्या निर्माण हो रही है. वहीं गोंदिया जिले के 1000 राशन दुकानदारों ने ई-पास मशीन से भारी तकलीफ हो रही थी. जिससे लाभार्थी शिधापत्रिकाधारकों को राशन के लिए परेशानियों झेलनी पड़ रही है. राज्य के राशन दुकान में धान्य उपलब्ध रहने के बावजूद धान्य वितरित नहीं किया जा सकता. इसके लिए राज्यस्तर, जिलास्तर व तहसील स्तर से अनेक बार शिकायत देने के बावजूद कोई निर्णय नहीं लिया गया. इसलिए राज्य के सभी स्वस्त धान्य दुकानदारों ने तहसील कार्यालय में ई-पॉश मशीन जमा करने का निर्णय लिया. जिसके तहत 5 अगस्त को ई-पॉश मशीन की मयत निकालकर तहसील कार्यालय में जमा की गई. इस अवसर पर शासकीय राशन व केरोसीन विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगराज रहांगडाले, सचिव खेमाज साखरे, सहसचिव खेमेंद्र वासनिक, शिवदास बघेले, बंडू भोयर, ताराचंद नागपुरे, शैलेंद्र कटकवार, श्रीकिशन नागपुरे, प्रभुदयाल रहमतकर, राजेंद्र रहमतकर, आकाश उपवंशी, दुर्गेश वंजारी, शिवचरण बावनकर, मुरली नागपुरे, भुमेश चौरे, सेवकदास मेश्राम, रवि बघेले, अजाबराव लिल्हारे, भीवा नागपुरे, जयदुर्गा महिला व बचतगट, सोमा मेश्राम आदि उपस्थित थे.

राज्य के विकास व प्रगति को गति देकर परिवर्तन करने का कार्य कर रही महायुती सरकार-सांसद प्रफुल्ल पटेल

बुलंद गोंदिया। आमगांव विधानसभा क्षेत्र के राष्ट्रवादी कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आमगांव रिसामा के विजयलक्ष्मी सभागृह में आयोजित किया गया था, इस अवसर पर सांसद पटेल प्रफुल्ल पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य के विकास व प्रगति को गति देकर परिवर्तन करने का कार्य महायुती सरकार कर रही है।

आगे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गोंदिया वह भंडारा जिले के विकास कार्यों को गति प्रदान करना है तथा यह दोनों जिले कृषि प्रधान है। जिसके चलते गोंदिया जिले की मुख्य फसल धान का उत्पादन करने वाले किसानों को बोनस देने की प्रथा शुरू की गई है। तथा कृषि को सुजलाम सुफलाम करने के लिए सिंचाई के संसाधन बेहतर बनाने, मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना, वर्ष में तीन गैस सिलेंडर निशुल्क, लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा निशुल्क तथा किसानों के लिए मुक्त बिजली, युवाओं के लिए प्रशिक्षण जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से राज्य के विकास और प्रगति को गति देकर परिवर्तन करने का कार्य महायुती सरकार कर रही है। यही गति को बनाए रखने के लिए तथा निरंतर विकास के नए आयाम बनाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं द्वारा निष्ठा से कार्य कर पक्ष के उम्मीदवारों को विजय बनाने का कार्य करना होगा। आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद प्रफुल्ल पटेल के साथ मनोहर चंद्रिकापुरे,प्रेमकुमार राहंगडाले, प्रभाकर दोनोडे, रमेश ताराम, पूजा अखिलेश सेठ, सुरेश हर्षे, टिकाराम मेंढे, कमलबापु बहेकार, सी. के. बिसेन, अजय उमाटे, कविता राहंगडाले, गोपाल तिराले, सुभाष यावलकर, बिसराम चर्जे, सीमाताई शेंडे, सुमन बिशेन, परबता चांदेवार, शीला ब्राम्हणकर, हिना टेभरे, रवि क्षिरसागर, राजेश भक्तवर्ती, विनोद कन्नमवार, अनिल शर्मा, गोपाल तिवारी, जियालालभाऊ पंधरे, पियुष झा, नामदेव दोनोडे, भय्यालाल चांदेवार, पंकज शहारे, कैलास रहांगडाले, डॉ. बाबुराव ब्राह्मणकर, टेकचांद हरीणखेडे, भरूगलास्तव गिरी महाराज, लखन चुटे, संजू रावत, जयप्रकाश पटले, सोनू अग्रवाल, मूलचंद बघेले, महेंद्र रहांगडाले, स्वप्निल कावळे, सुनील ब्राह्मणकर, राजकुमार प्रतापगडे, प्रमोद शिवणकर, रमण डेकाटे, सुनील ब्राह्मणकर, रवींद्र मेश्राम, कांताबाई रहिले, महेंद्र रहांगडाले, गणेश हर्षे, चुनीलालजी साहारे, प्रमोद शिवणकर, सिंधुताई भुते, राजेश मटाले, लक्ष्मण नागपुरे, संगीताताई ब्राह्मणकर, महादेव हटवार, ताराचंद नामूर्ती, बबलू बिषेन, संजू डोये, सेवकराम डोये, रामचंद्र ठाकरे, अनिल फुंडे, पुरुषोत्तम चुटे, सौरभ डोंगरे सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फेक नेरेटिव्ह फैलाने वालों को, आगामी चुनाव में जनता खुद दिखायेगी आईना- विधायक डॉ. फुके

सड़क अर्जुनी में भाजपा की जिला विस्तारित बैठक में कार्यकर्ताओं में भरा जोश

बुलंद गोंदिया। (सड़क अर्जुनी) – लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने देश की जनता में देश के संविधान को बदलने कें प्रति दिशाभूल कर नकारात्मकता फैलाने का कार्य किया और झूठ के दम पर एक अच्छी सरकार के विरूद्ध साजिश रचने का कार्य किया। पर उनकी कोशिशों को देश की जनता ने करारा जवाब देकर पुन: तीसरी बार सरकार बनाने का कार्य किया। जनता अब इनकी साजिशों को समझ चुकी है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता खुद इन्हें आईना दिखायेगी।उक्त प्रतिपादन पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक डॉ. परिणय फुके ने व्यक्त किया। वे सड़क अर्जुनी में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की जिला विस्तारीत बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा, भले ही हम लोकसभा चुनाव में पराजय हुए है पर जनता ने हमे बेहतर प्रतिसाद दिया। हमने हार के बावजूद विपरीत परिस्थितियों में भी पक्ष को मजबूत रखने का कार्य किया।

अगले दो माह में राज्य में विधानसभा चुनाव होने जा रहे है। कांग्रेस सोच रही है कि वो अपना झूठ का पुलिंदा जारी रख बदलाव लाएगी। पर राज्य में ऐसा कुछ नही होगा। कांग्रेस के राहुल गांधी खुद को अमेरिका के राष्ट्रपति की तरह समझकर भाषण दे रहे है। कुछ सीटे जितने पर अहंकार आ गया है।

विधायक फुके ने कहा, देश में संविधान कोई बदल नही सकता। किसी की औकात नहीं कि वो संविधान बदल दे। विपक्ष का ये झूठ अब चलने वाला नहीं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा, हमें आगामी चुनाव की तैयारी में लगना है। नकारात्मकता को दूर करना है। हमें सोशल मीडिया में भी सक्रियता दिखाना होगा। विरोधियों का जवाब देना हमे आना चाहिए।

डॉ. फुके ने कहा, हमें घर घर जाकर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को ले जाकर उन्हें सरकार के कार्यों से अवगत कराना है। राज्य सरकार द्वारा बहनों के लिए शुरू महत्वाकांक्षी लाडली योजना में अधिक महिलाओं को लाभ मिले इसे हेतु हमें कार्य करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, तुम सिर्फ 100 दिन पार्टी को दे, हम 5 साल में प्रदेश को सुजलाम सुफलाम करने का बेहतर कार्य करेंगे। बैठक में भाजपा के विदर्भ संगठन मंत्री उपेंद्र कोठेकर, जिलाध्यक्ष येशुलाल उपराडे, पूर्व सांसद अशोक नेते, सुनील मेंढे, पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, विधायक विजय रहांगडाले, पूर्व विधायक हेमंत पटले, संजय पुराम, खोमेशभाऊ रहांगडाले, संगठन मंत्री वीरेंद्र (बाळाभाऊ) अंजनकर, जिप अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, विजय शिवनकर, संजय टेंभरे, अशोक इंगले, नेतरामभाऊ कटरे, रचनाताई गहाने, भावना कदम, तुमेश्वरी बघेले, सिताताई रहांगडाले, संजीव कुलकर्णी, सुनील केलनका, जयंत शुक्ला, लायलराम भेंडारकर, विश्वजीत डोंगरे, शंकर मडावी, दीपक कदम सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी व हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक की छतरी, रेहड़ी वालें के लिए बनीं बारिश का सहारा

बुलंद गोंदिया। जनता के विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा जरूरतमंदों को बारिश के दौरान बांटी गई छतरियां आज अनेकों को सहारा देने का कार्य कर रही है।

कुछ ऐसा ही एक चित्र बाज़ार क्षेत्र में बारिश के दौरान अपनी रोजी-रोटी कमाने के उद्देश्य से रेहड़ी (ठेले) में फल फ्रूट लेकर खड़ा युवक विधायक विनोद अग्रवाल द्वारा प्रदान की गई विशाल छतरी का सहारा लेकर ग्राहकों की आस में प्रतीक्षारत दिखाई दे रहा है।

तस्वीर देखकर ये प्रसंग स्पष्ट होता है कि आज छतरी के सहारे से निरंतर बारिश में उस रेहड़ी वाले को खुद को बारिश से बचाने एवं फलों को बेचने का सहारा मिला है, जिसके भरोसे व सड़क पर आसानी से खड़ा होकर रोजीरोटी कमा रहा है। विधायक विनोद अग्रवाल के कार्य सीधे जनता से जुड़े होने से उन्हें जनता खुद, जनता का आमदार कहती है।

अभी हाल ही में उन्होंने अपने जन्मदिन पर अनेकों दिव्यांगजनों को बैटरी चलित ई-रिक्शा प्रदान कर बड़ा सहारा देने का कार्य किया है। उनके जनहित कार्यों को देख उनके दरबार में गोंदिया के अलावा, आमगांव, गोरेगाँव, तिरोडा, सालेकसा आदि से भी लोग आते है, फरियाद रखते है और समाधान के साथ खुशी खुशी लौटते है।

ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले आधार योजना आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त

बुलंद गोंदिया। बहुजन कल्याण विभाग के अंतर्गत ज्ञानज्योति सावित्रीबाई फुले आधार योजना सत्र 2024-25 से प्रारंभ की गई है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए उक्त योजना का लाभ उठाने हेतु विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इस योजना के तहत शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में उच्च शिक्षा के प्रथम वर्ष में पढ़ रहे छात्रों के लिए समय सीमा 20 अगस्त 2024 तक बढ़ा दी गई है।

हालाँकि, जिले के इच्छुक छात्र आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ सहायक निदेशक, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण कार्यालय, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर सामाजिक न्याय भवन, कलेक्टर कार्यालय के पीछे, पतंगा मैदान, गोंदिया में जमा करें अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सहायक संचालक विनोद मोहतुरे ने किया।

शासकीय जलापूर्ति योजना से दूषित जल की आपूर्ति नवेगांव बांध में डायरिया का संक्रमण 60 से अधिक नागरिक पीड़ित

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले नवेगांवबांध में शासकीय जलापूर्ति योजना से दूषित पेयजल की आपूर्ति होने से बुधवार की शाम को 60 से अधिक ग्रामीण डायरिया से पीड़ित होने का मामला सामने आया है। तथा 15 से 16 ग्रामीणों को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

गौरतलब है की शासकीय जलापूर्ति योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति का भरोसा नागरिकों को होता है, लेकिन नवेगांव बांध की शासकीय जलापूर्ति योजना से आपूर्ति किए गए पेयजल दूषित होने के चलते 60 से अधिक ग्रामीण डायरिया की चपेट में आ गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संक्रमित लोगों को चिकित्सालय में भर्ती होने की सलाह देकर 15 से 16 संक्रमितो को चिकित्सालय में दाखिल करवाया। जबकि कुछ डायरिया से पीड़ित कुछ नागरिकों द्वारा विभिन्न कारण बताकर हॉस्पिटल में भर्ती होने से इनकार कर रहे हैं। इस प्रकार की जानकारी संबंधित चिकित्सा अधिकारियों द्वारा दी गई है।

जलापूर्ति योजना सेआपूर्ति रोकी शासकीय जलापूर्ति योजना से दूषित जल की आपूर्ति होने से नागरिकों को डायरिया होने की जानकारी सामने आने पर गुरुवार 1 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग द्वारा जलापूर्ति बंद करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट अर्जुनी मोरगांव तहसील के चिकित्सा अधिकारी व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पवनीधाबे के वैदकिय अधिकारी डॉक्टर दखने व अन्य कर्मचारी द्वारा ग्राम पंचायत के पदाधिकारी व अधिकारियों को सूचना दी गई। साथ ही इस मामले में उपाय योजना स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू की गई है। उल्लेखनीय की मूसलाधार बारिश के चलते जलापूर्ति योजना में मटमैला पानी आने से यह पानी पीने योग्य नहीं है इस प्रकार की जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई है तथा इससे ग्रामीणों को डायरिया होने की संभावना जताई जा रही है। मरीजों की संख्या बढ़ाने की संभावना अर्जुनी मोरगॉव तहसील के नवेगांव बांध की शासकीय जलापूर्ति योजना द्वारा आपूर्ति किए गए पेयजल के दूषित होने के चलते बड़ी संख्या में डायरिया का संक्रमण फैला है। जिसमें नवेगांव बांध के प्रभाग क्रमांक 3 और 4 के 50 से 60 नागरिक संक्रमित हुए हैं, तथा इसमें मरीजो की संख्या बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। तथा एक अगस्त को और नए 14 मरीज सामने आए हैं जिसमें से एक मरीज को गोंदिया के जिला शासकीय चिकित्सालय में रेफर किया गया है इस प्रकार की जानकारी नवेगांव बांध के ग्रामीण चिकित्सालय के वैदकिय अधिकारी डॉ.आकाश नशिने द्वारा दी गई है।

सरकार के जनहितकारी योजनाओं से सामान्य नागरिको की बदलेगी स्थिति-पूर्व विधायक राजेंद्र जैन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के ग्राम नवरगाव खुर्द, इर्री, मोरवाही, गुदमा व दत्तोरा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बूथ समिति सदस्यों, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की सभा पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई। इस अवसर पर जैन ने क्षेत्र के नागरिकों और कार्यकर्ताओं से विभिन्न समस्याओं के बारे में विस्तार सें चर्चा कि। साथ हि बूथ निहाय क्रियाशील सदस्यो कि कमेंटी बनाने, कमेंटी में महिला, युवक, व सभी वर्गो के नए लोगों को जोडने का आवाहन किया।

राजेन्द्र जैन कार्यकर्ताओं से संवाद साधते हुए कहा कि, सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से किसानो भाइयों के धान को बोनस, अनेक सिंचाई परियोजनाएं बनी जिससे उत्पादकता बढने व आर्थिक सुबत्ता में मदत हुई हैं। महायुती सरकार ने कल्याणकारी योजनाए शुरु कि हैं, किसान भाइयों के खेत कि बिजली बिल माफ, केंद्र व राज्य सरकारो द्वारा किसान सन्मान योजना, महिलायों के लिये मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना, युवाओं कें रोजगार कें लिये युवा प्रशिक्षण योजना, युवतीओं को उच्च शिक्षा में सवलत ऐसी अन्य योजनाओ के माध्यम सें महिला, किसान, युवा व सामान्य नागरिको कि स्थिति बदलेगी। कार्यकर्ता सभा में राजेंद्र जैन, केतन तुरकर, जगदीश बहेकार, मोतीराम शिवणकर, रवि पटले, रामु चुटे, धर्मेंद्र गणवीर, संदीप मेश्राम, चुन्नीलाल शहारे, सयाराम भेलावे, चैनलाल दमाहे, सुरेश कावड़े, नितिन गणवीर, दुलीचंद भाकरे, राजुभाउ गायधने, इन्द्रराज शिवणकर, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, मनोहर पटले, रौनक ठाकुर, नरेंद्र बेलगे, भैयालाल सुरसावत, ओमप्रकश पटले, गोपीचंद सुरसावत, कुंवरलाल कटरे, अमृतलाल पटले, जियालाल पटले, सुंदरलाल पटले, गजानन पटले, मुकेश पटले, राधेश्याम कोटेवार, राजेश पटले, सुष्रम उपवंशी, राजेंद्र चौहान, दिनेश फुंडे, ग्यानीराम उपवंशी, दीपक लिल्हारे, संतोष शिवणकर, दिलीप महारवाडे, राकेश चुटे, रामकृष्ण ब्राम्हणकर, राहुल मेंढे, नन्दलाल कावड़े, गणवंत मेश्राम, कृष्णा ब्राम्हणकर, रेखाताई पटले, सविता पटले, रामेश्वरी पटले, इंदिरा कोठेवार, ताराबाई मेश्राम, खेलन बाई साठवणे, मिताबाई कावड़े, पंचफूला नागपुरे, सहित बढ़ी संख्या में पदाधिकारी व् कार्यकर्ता उपस्थित थे

उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलो के लिये प्रतियोगिता

बुलंद गोंदिया। जिले के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को पुरस्कार दिये जायेंगे. इसके लिए जिला स्तर पर एक समिति का गठन किया गया है और इस समिति के अध्यक्ष उप जिलाधिकारी और सदस्य सचिव जिला योजना अधिकारी हैं। राज्य में पहले तीन विजेता को क्रमशः पांच लाख, ढाई लाख और एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा. राज्य में प्रथम विजेताओं के अलावा जिला स्तरीय समिति द्वारा चयनित 44 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों में से शेष 41 सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों को राज्य सरकार की ओर से 25-25 हजार रुपये का पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इस पुरस्कार के लिए सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के चयन के लिए विभिन्न मानदंड होंगे, जिसके अनुसार उन्हें अंक दिए जाएंगे। चैरिटी आयुक्त और स्थानीय पुलिस के साथ पंजीकरण आवश्यक है। चैरिटी कमिश्नर के पास पंजीकृत या स्थानीय पुलिस से अनुमति या स्थानीय स्वशासी निकाय से अनुमति प्राप्त सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। जिला योजना अधिकारी जिला स्तरीय समिति के सदस्य सचिव होंगे। चयन समिति के सदस्य आयोजन स्थल का दौरा करेंगे और बोर्ड से वीडियोग्राफी और दस्तावेज एकत्र करेंगे। प्रत्येक गणेशोत्सव मंडल को जिला स्तरीय समिति के फीडबैक के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए जिला योजना कार्यालय से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

संजय ललित चौरसिया पंचतत्व में विलिन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के मेंन रोड स्थित बेनीमाधव गणपतलाल चौरसिया एंड संस के श्री संजय ललित कुमार चौरसिया (संजू भैया) का आकस्मिक निधन 4 अगस्त 2024 को हो गया था ।जिनका अंतिम संस्कार 5 अगस्त 2024 को सुबह 11ः00 बजे मोक्ष धाम में किया गया तथा वे पंचतत्व में विलीन हुये। संजय चौरसिया के आकस्मिक निधन पर मित्र परिवार व संबंधितों द्वारा शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।